विश्व पर्यावरण दिवस

05 जून, 2015

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड
आँचलिक कार्यालय (मध्य)
भोपाल

पर्यावरण संरक्षण पखवाड़ा

विश्व पर्यावरण दिवस संयुक्त राष्ट्र संघ का एक विश्वव्यापी कार्यक्रम है जिसमें पर्यावरण के प्रति जन–जागरूकता तथा संरक्षण के विभिन्न कार्यों को समूह देशों के सहयोग से संपादित किया जाता है । वैश्विक स्तर पर इसका आयोजन किया जा रहा है तथा विश्व के लगभग 100 देशों द्वारा इसमें सहभागिता की जा रही है । वर्तमान परिपेक्ष्य में देखा जाए तो जनसामान्य में पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ी है एवं इसके प्रति कृतज्ञता प्रदर्शित करने हेतु इस तरह के आयोजन इसकी सार्थकता को पूर्ण करते हैं।

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का स्लोगन **"Seven Billion Dreams. One Planet. Consume With Care"** रखा गया है। किसी भी राष्ट्र का समग्र सामाजिक विकास, संरक्षित पर्यावरण एवं अर्थव्यवस्था का सुचारू संचालन इस बात पर निर्भर करता है कि वह राष्ट्र अपनी प्राकृतिक संपदा का प्रबंधन व उपयोग कितना युक्तियुक्त तरीके से कर रहा है । इस बात के अनेकों प्रमाण हैं

कि जिन राष्ट्रों ने प्राकृतिक संपदा का अंधाधुंध दोहन किया है वहां पर्यावरणीय परितंत्र असंतुलित हो गया है इन परिस्थितियों से नागरिक जीवन भी प्रभावित हुआ है।

पृथ्वी पर अनेक प्रकार के जीवन परितंत्र कार्यशील हैं जिन पर अत्यधिक प्रदूषण तथा तीव्र गतिमान आर्थिक व्यवस्था का प्रत्यक्ष प्रभाव परिलक्षित होता है । संयुक्त राष्ट्र संघ के अनुमान के अनुसार यदि वर्तमान जनसंख्या दर यही रही तो सन् 2050 में हम 9.6 अरब तक हो जाएंगे तथा जिस तरह की वर्तमान जीवन शैली जी रहे हैं उसे बनाए रखने के लिए एक नए ग्रह की आवश्यकता होगी ।

संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा स्टॉकहोम में दिनांक 05 जून से 16 जून, 1972 को विश्व को ह्यूमन इंवायरनमेंट, समान विचारधारा व सिद्धान्तों के प्रति प्रेरित करने एवं दिशा प्रदान करने के उद्देश्य से, सदस्य देशों की एक बैठक का आयोजन किया गया था । इस बैठक में विश्व पर्यावरण के संरक्षण व भविष्य की चुनौतियों पर चर्चा की गई।

उपरोक्त बैठक में भारत की तत्कालीन प्रधानमंत्री श्रीमती इंदिरागांधी ने भाग लिया था तथा स्वदेश वापसी के बाद से ही पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में

संवैधानिक प्रावधानों को लागू करने का कार्य प्रारंभ हुआ । इसके बाद भारत में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम उठाते हुए प्रारंभिक रूप में जल (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1974 तत्पश्चात् वायु (प्रदूषण निवारण तथा नियंत्रण) अधिनियम, 1981 लागू किया गया तथा कालांतर में समय व परिस्थिति के अनुसार विभिन्न प्रदूषणकारी तत्वों की जलिटताओं के आधार पर समुचित प्रबंधन हेतु सर्वमान्य व प्रभावी कानून बनाए गए । पर्यावरण संबंधी नियमों के अनुपालन की जिम्मेदारी राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय एवं केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड तथा राज्य स्तर पर राज्य सरकारों एवं राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को दी गई ।

प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस की मेजबानी किसी एक देश द्वारा की जाती है, इस वर्ष इटली द्वारा इसकी मेजबानी की जा रही है ।

प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन तथा अनुचित मानवीय क्रियाकलापों से पर्यावरण को अपूर्णीय क्षति पहुंच रही है इसके अनेक उदाहरण हमारे सामने

हैं परन्तु भविष्य की कल्पना कर हम इसे संरक्षित व और अधिक लाभकारी बनाने का प्रयास कर सकते हैं । इस कार्य में संवैधानिक नियमों के समुचित

परिपालन के साथ स्वप्रेरित भाव से पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में जन–सामान्य की भागीदारी तथा व्यापक जन–जागरूकता आवश्यक है। अतः पर्यावरणीय मुद्दों के संदर्भ में सतत् सुधारात्मक कार्य एवं विकास के साथ सामन्जस्य स्थापित करने के उद्देश्य से पर्यावरण दिवस का आयोजन एक महत्वपूर्ण कदम है ।

केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण मापन व नियंत्रण के क्षेत्र में अनेक वैज्ञानिक और तकनीकी कार्यों का सम्पादन करता है । बोर्ड के विभिन्न कार्यों में एक कार्य जन–सामान्य को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा व्यक्तिगत स्तर से संस्थागत स्तर तक पर्यावरण संरक्षण के विभिन्न पहलुओं की जानकारी प्रदान करना भी है ।

आँचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा प्रतिवर्ष विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है जिसमें पर्यावरण संरक्षण के वर्तमान मुद्दे जैसे– अपशिष्ट प्रबंधन, खाद्यान्न सुरक्षा, वन संरक्षण, जलवायु परिवर्तन आदि पर जन–जागरूकता की जाती है तथा हर वर्ष की संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम द्वारा घोषित थीम व स्थानीय आवश्यकता के आधार पर पर्यावरण दिवस कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई जाती है।

इस वर्ष के आयोजन के प्रमुख बिन्दुओं में प्राकृतिक संसाधनों का संयमित उपयोग, वायु प्रदूषण, वन संरक्षण, सौर ऊर्जा, जैव ईंधन को बढ़ावा देना, ऊर्जा के सीमित उपयोग आदि को सम्मिलित किया गया है । पर्यावरण दिवस के उद्देश्यों को प्राप्त करने हेतु इस आयोजन के निम्न उद्देश्य थे :–

1. जनसामान्य में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता पैदा करना ।

2. जनसामान्य को तथा समाज के विभिन्न समुदायों को पर्यावरण सुरक्षा हेतु सक्रिय सहयोगी बनाना।

3. पर्यावरण की क्षति से होने वाले दुष्परिणों से अवगत कराना तथा पर्यावरणीय परिवेश को साफ सुथरा व सुरक्षित बनाने हेतु प्रेरित करना ।

4. कार्यालय द्वारा प्रदूषण निवारण व रोकथाम हेतु किए जा रहे प्रयासों से जनसामान्य को अवगत कराना ।

आँचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा विभिन्न कार्यक्रम की श्रंखला का आयोजन दिनांक 26 मई, 2015 से 07 जून, 2015 के मध्य किया गया । जिसके अंतर्गत निम्नलिखित कार्यक्रम संपादित किए गए :–

पर्यावरण क्विज (२६.०५.२०१५)

पर्यावरण सप्ताह मनाने का प्रारंभ स्थानीय कमला नेहरू स्कूल से किया गया जहां समर कैम्प के दौरान विभिन्न आयु वर्ग के लगभग 150 बच्चे कार्यक्रम के प्रतिभागी बने तथा आँचलिक कार्यालय द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता में

भाग लिया । कार्यक्रम के प्रारंभ में श्री अनिल रावत, वरिष्ठ वैज्ञानिक सहायक द्वारा प्रतिभागी बच्चों व अन्य अतिथियों को प्रदूषण नियंत्रण के क्षेत्र में कार्यालय द्वारा किये जा रहे प्रयासों व योजनाओं के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की तथा ऊर्जा व जल संरक्षण के संबंध में दैनिक जीवन में किये जा सकने वाले कार्यो एवं ग्लोबल वार्मिंग के दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान की गई। इस अवसर पर श्री रावत द्वारा हाल ही के नेपाल भूकम्प के संदर्भ में ''प्राकृतिक विनाश के कारणों में मनुष्य की भूमिका'' विषय पर भी प्रकाश डाला गया तथा प्रकृति की रक्षा कर विनाश को किस प्रकार रोका जा सकता है इस संबंध में जानकारी दी गई ।

कार्यक्रम के दूसरे चरण में डॉ. पौलामी सी. पाटिल, कनिष्ट वैज्ञानिक सहायक द्वारा उपस्थित बच्चों को जल प्रदूषण, वायु प्रदूषण, नगरीय ठोस अपशिष्ट, इलेक्ट्रॉनिक व ओजोन परत क्षरण, ग्लोबल वार्मिंग के कुप्रभाव तथा जैव विविधता पर पड़ने वाले पर्यावरणीय प्रभावों के बारे में जानकारी प्रदान की गई एवं विश्व परिदृश्य में पर्यावरण की वर्तमान स्थिति से बच्चों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम के आगामी चरण में श्री संजय कुमार मुकाती, कनिष्ट वैज्ञानिक सहायक द्वारा ध्वनि व वायु प्रदूषण प्रबोधन में उपयोग होने वाले उपकरणों का प्रदर्शन कर दिखाया गया तथा छात्रों की जिज्ञासाओं को शांत किया गया । कार्यक्रम के अंत में दिए गए व्याख्यानों पर आधारित एक पर्यावरणीय क्विज का आयोजन किया गया । इसमें सभी आयु वर्ग के बच्चों तथा उपस्थित शिक्षकों द्वारा भी बहुत ही उत्साह से भाग लिया गया तथा सफल प्रतिभागियों को पुरस्कृत भी किया गया ।

पर्यावरण दौड़ (३१.०५.२०१५) में सहभागिता

पर्यावरण के प्रति आम–जनमानस में जन–जागरूकता के उद्देश्य से मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा दिनांक 31 मई, 2015 को स्थानीय तात्याटोपे

स्टेडियम में 'रन भोपाल फॉर एनवाइरनमेंट' का आयोजन किया गया। इसमें लगभग 05 से 07 हजार स्थानीय लोगों ने सहभागिता की जिसमें सभी आयु वर्ग के लोग शामिल थे । दौड़ का आयोजन शहर के मुख्य मार्ग पर किया गया । मार्ग के दोनों ओर पर्यावरण संरक्षण संबंधी बैनर लगाए गए थे तथा जो स्थानीय रहवासी व आम जनता इस आयोजन में प्रत्यक्ष रूप से शामिल नहीं हुए थे उन्हें भी इस दौड़ के माध्यम से पर्यावरण बचाने का संदेश पहुंचाया गया । आँचलिक कार्यालय के लगभग सभी अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा उक्त आयोजन में भाग लिया गया तथा अपने–अपने रहवासी क्षेत्रों में कार्यक्रम का प्रचार व प्रसार कर अधिक से अधिक लोगों को इससे जुड़ने हेतु सार्थक प्रयास किए गए। उक्त कार्यक्रम में आँचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा सक्रिय सहभागिता की गई जिसके अंतर्गत श्री प्रहलाद बघेल, श्री शिव शंकर शुक्ला, श्री संजय कुमार मुकाती व डॉ. अनूप चतुर्वेदी द्वारा 05 किलोमीटर ट्रेक पर दौड़ लगाई तथा बैनर पर लिखे पर्यावरण संरक्षण संबंधी स्लोगन के माध्यम से संदेश अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया । दिनांक 31 मई को तम्बाकू निषेध दिवस के रूप में भी बनाया जाता है, अतः इस दौड़ के माध्यम से तम्बाकू के स्वास्थ्य पर हानिकारक प्रभाव के संबंध में भी जनजागृति का संदेश दिया गया ।

रेडियो वार्ता (०४.०६.२०१५)

संचार के माध्यमों में आज भी रेडियो से प्रसारित कार्यक्रमों का विशेष स्थान है, अतः पर्यावरण संरक्षण संदेश व कार्यालय की गतिविधियों को अधिकाधिक लोगों तक पहुंचाने के उद्देश्य से 92.7 बिग एफ.एम. रेडियो कार्यक्रम के माध्यम से एक परिचर्चा का प्रसारण मध्यप्रदेश राज्य में दिनांक 04.06.2015 को सायं 07 से 08 बजे के मध्य किया गया, जिसमें आँचलिक अधिकारी द्वारा जल संरक्षण, सौर ऊर्जा के उपयोग, कार पुलिंग, घरेलु स्तर पर अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्कूल स्तर पर पर्यावरण की शिक्षा की चर्चा की गई । उपरोक्त कार्यक्रम में ही डॉ. पौलमी सी. पाटिल, जे.एस.ए. द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन पर प्रकाश डाला गया तथा कार्यालय के आगामी कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई ।

वृक्षारोपण कार्यक्रम (०५.०६.२०१५)

विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून, 2015) के अवसर पर आँचलिक कार्यालय द्वारा कार्यालय प्रांगण में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसके पूर्व स्वच्छता अभियान के अंतर्गत कार्यालय प्रांगण की साफ–सफाई की गई जिसमें डॉ. अनूप चतुर्वेदी, श्री संजय कुमार मुकाती, श्री सुरेश चौहान, श्री प्रहलाद बघेल द्वारा विशेष योगदान दिया गया । वृक्षारोपण कार्यक्रम में कार्यालय परिसर में स्थित अन्य शासकीय कार्यालय जैसे आवास संघ मर्यादित एवं सहकारी उपभोक्ता संघ व अन्य कार्यालयों के अधिकारियों द्वारा भी भाग लिया गया । कार्यक्रम उपरांत आँचलिक अधिकारी द्वारा उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को संबोधित किया गया । कार्यालय के कर्मचारियों को अपने रहवासी क्षेत्र में वृक्षारोपण हेतु प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से कार्यालय द्वारा पौधों का वितरण भी किया गया ।

चित्रकला प्रतियोगिता तथा पर्यावरण क्विज

(०५.०६.२०१५)

स्थानीय इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय, भोपाल द्वारा चित्रकला प्रतियोगिता पर्यावरण दिवस के अवसर पर आयोजित की गई, जिसमें कक्षा 5वीं से 8वीं तक के बच्चों द्वारा पर्यावरण संरक्षण विषय पर मन की कल्पनाओं को कैनवास पर उकेरा गया तथा बाल–मन पर्यावरण संरक्षण को किस रूप में चित्रित करता है इसका प्रमाण प्रस्तुत किया गया।

उपरोक्त प्रतियोगिता के पश्चात् पर्यावरण प्रबोधन में उपयोगी उपकरणों के बारे में बच्चों तथा उनके अभिभावकों को जानकारी दी तथा जल, वायु एवं ध्वनि प्रदूषण के कारण व निदान के ऊपर व्याख्यान दिए गए तथा इसी के आधार पर एक पर्यावरण प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । प्रश्नों के सही उत्तर देने वाले प्रतिभागियों को प्रोत्साहन की दृष्टि से पुरस्कृत

भी किया गया । इस कार्यक्रम का संपादन डॉ. पौलमी सी. पाटिल, जे.एस.ए., श्री संजय कुमार मुकाती, जे.एस.ए. व श्री राजीव शर्मा, वरिष्ठ तकनीशियन व संचालन डॉ. अनूप चतुर्वेदी, एस.एस.ए. द्वारा किया गया ।

उपरोक्त क्विज के आयोजन का मूल उद्देश्य बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें प्रारंभ से ही पर्यावरण हितैषी गुणों से अवगत कराना था । कार्यक्रम के दौरान बच्चों को यह शपथ भी दिलवाई गई कि वे अपने जन्म दिवस व अन्य प्रमुख अवसरों पर पौधारोपण करेंगे तथा वृक्ष बनने तक उसकी देखभाल करेंगे। कार्यक्रम में घरेलु दैनिक जीवन में किस प्रकार से ऊर्जा, पानी व अन्य प्राकृतिक संसाधनों का मितव्ययिता से उपयोग कर पर्यावरण संरक्षण सकते हैं, इस संबंध में भी जानकारी प्रदान की गई ।

पर्यावरण संगोष्ठी (०५.०६.२०१५)

कार्यक्रम के अंतिम सोपान में आँचलिक कार्यालय में पर्यावरण संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसमें कार्यालय के सभी अधिकारियों/कर्मचारियों ने भाग लिया तथा पर्यावरण दिवस के इस वर्ष के स्लोगन एवं पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में किए जा रहे नवीनतम शोधों के ऊपर विचारों का आदान प्रदान किया गया। संगोष्ठी में उपस्थित प्रतिभागियों से इस बाबत् भी चर्चा हुई कि किस प्रकार से नवीन सोच के साथ कार्य किया जाना चाहिए क्योंकि वर्तमान में पर्यावरण संरक्षण का कार्य जटिल व बहुआयामी हो गया है । संगोष्ठी के दौरान कार्यालय के अन्य प्रतिभागियों ने भी अपने–अपने विचार प्रस्तुत किए तथा पर्यावरणीय नियमों के प्रभावी क्रियान्वयन व वैश्विक स्तर पर प्रदूषण स्तर को न्यूनतम रखने में किस तरह नई–नई चुनौतियां आ रही हैं तथा इसके क्या व्यवहारिक समाधान संभव हैं, इस बारे में अपने अनुभवों को साझा किया, इस दौरान उपस्थित सहभागियों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर किस–किस तरह के कार्य संपादित किए जा रहे हैं तथा भविष्य की क्या योजनाएं हैं इस बारे में भी अपने विचार व्यक्त किए गए । कार्यक्रम के अंत में

आँचलिक अधिकारी द्वारा संगोष्ठी में उठे विभिन्न पर्यावरणीय मुद्दों को

सारगर्भित किया । इस अवसर पर उन्होंने गैर परंपरागत ऊर्जा स्रोतों की ओर अधिक ध्यान देने एवं अनुसंधान व विकास के नए आयामों पर प्रकाश डाला तथा इस क्षेत्र में किए जा रहे नवीनतम प्रयासों की जानकारी दी । इस अवसर पर उन्होंने प्राकृतिक संसाधनों का मितव्ययिता से दोहन, कार्यालय में ई–वेस्ट प्रबंधन को प्रभावी बनाना, जन–सामान्य में पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु अधिकाधिक कार्य करने की आवश्यकता पर बल दिया ।

व्यक्तिगत प्रयास

कार्यालय के अन्य कर्मचारियों द्वारा व्यक्तिगत स्तर पर भी शहर के अन्य पर्यावरणीय संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रम जैसे सिटी राइडर्स क्लब द्वारा आयोजित साईकिल रैली में भाग लिया । स्थानीय स्तर पर आयोजित संगोष्ठी, रहवासी कल्याण समिति की बैठकों में भाग लिया तथा जनभागीदारी के माध्यम से इस दिवस को सार्थक बनाने का प्रयास किया गया। कार्यालय के कर्मचारियों द्वारा अपने परिवार के साथ पर्यावरण दिवस के अवसर पर अपने–अपने रहवासी क्षेत्रों में वृक्षारोपण भी किया गया ।

उपसंहार

आंचलिक कार्यालय, भोपाल द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस 2015 के अवसर पर दिनांक 26.05.2015 से 05.06.2015 के मध्य पर्यावरण पखवाड़ा का आयोजन किया गया तथा व्यापक जन–जागरूकता हेतु व पर्यावरण संरक्षण के इस पुनीत कार्य को अनवरत् बनाए रखने के उद्देश्य से पर्यावरण क्विज, रेडियो संदेश के माध्यम से जागरूकता, पर्यावरण दौड़ में सहभागिता, चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन के दौरान पर्यावरण क्विज, वृक्षारोपण व पर्यावरण संगोष्ठी आदि का आयोजन किया गया । कार्यालय द्वारा वर्ष भर इस तरह के अन्य कार्यक्रमों को संपादित करने हेतु कार्य योजना भी बनाई तथा सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों में भी इसका प्रचार–प्रसार करने हेतु संकल्प लिया, क्योंकि केन्द्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड स्वच्छ पर्यावरण के लिये सदैव प्रतिबद्ध है .....।

कार्यक्रम की झलकियां

"World Environment Day"
Bhopal Run For Environment
Central Pollution Control Board
Zonal Office (Central), Bhopal